खंड–क (अपठित बोध) 14

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 7

भारत में सौर ऊर्जा का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा एक नवीकरणीय स्रोत है, जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना बिजली उत्पन्न करता है। भारत के कई हिस्सों में साल भर धूप की भरपूर उपलब्धता होती है, जिससे सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए यह उपयुक्त स्थान बन जाता है। राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, और तमिलनाडु जैसे राज्यों में सौर ऊर्जा उत्पादन के बड़े–बड़े Iलांट स्थापित किए गए हैं। भारत सरकार ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें 'सोलर मिशन' प्रमुख है। इसका उद्देश्य 2030 तक सौर ऊर्जा के माध्यम से 100 गीगावॉट बिजली उत्पादन करना है।

सौर ऊर्जा न केवल प्रदूषण रहित होती है, बल्कि इससे बिजली की लागत भी कम होती है। इसे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आसानी से स्थापित किया जा सकता है, जहाँ पारंपरिक बिजली की उपलब्धता कम होती है। सोलर पैनल की स्थापना के बाद उसे बनाए रखने में कम खर्च आता है, जिससे यह एक किफायती विकल्प बन जाता है। भारत में सोलर पैनल से उत्पन्न बिजली का उपयोग कृषि, उद्योग, और घरेलू उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। सौर ऊर्जा का बढ़ता उपयोग न केवल पर्यावरण को सुरक्षित करता है, बल्कि इससे रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं।

(क) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:

कथन (A) : भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है।

कारण (R) : सौर ऊर्जा प्रदूषण रहित और किफायती होती है।

i. कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है।
ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
iv. कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(ख) भारत में सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ रहा है क्योंकि–

कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए:

I. यह प्रदूषण रहित है।
II. इसे आसानी से स्थापित किया जा सकता है।
III. इसे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में उपयोग किया जा सकता है।
IV. यह महंगी होती है।

विकल्प–

i. कथन I और II सही हैं।
ii. कथन I, II और III सही हैं।
iii. केवल कथन IV सही है।
iv. कथन I, II, III और IV सही हैं।

(ग) नीचे दिए हुए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित कर सही विकल्प का चयन कीजिए:

	कॉलम 1		कॉलम 2
I	भारत में सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक राज्य	1.	राजस्थान
II	भारत में दूसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक राज्य	2.	गुजरात
III	सोलर मिशन का उद्देश्य	3.	100 गीगावॉट

i. I (1), II (2), III (3)
ii. I (2), II (1), III (3)
iii. I (3), II (1), III (2)
iv. I (1), II (3), III (2)

(घ) सौर ऊर्जा के उत्पादन में 'सोलर मिशन' की क्या भूमिका है?

(ङ) सौर ऊर्जा उत्पादन रोजगार के अवसर प्रदान करता है– कैसे?

उत्तर :

(क) iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(ख) ii. कथन I, II और III सही हैं।

(ग) i. I (1), II (2), III (3)

(घ) सोलर मिशन का उद्देश्य 2030 तक 100 गीगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन करना है। इसके माध्यम से भारत सौर ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रहा है।

(ङ) सौर ऊर्जा उत्पादन में सोलर पैनल की स्थापना, रखरखाव, और बिजली वितरण के कामों के लिए श्रमिकों की आवश्यकता होती है। इससे नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 7

अरुण यह मधुमय देश हमारा,
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को
मिलता एक सहारा।
सपनों में हो कर भी अज्ञात,
रवि का पथ देना चाहे।
जगती की जलती चिता देख
रवि मौन विहँसता जाये।
अरुण यह मधुमय देश हमारा,
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को
मिलता एक सहारा।
रवि की किरणें, एक आशा का संदेश,
हर दिशा को आलोकित कर रही थीं।
जीवन के इस कठिन मार्ग पर,
सूर्य का यह उज्ज्वल प्रकाश,
मानवता को नई दिशा प्रदान कर रहा था।
यह मधुमय देश, जहाँ स्वप्न और यथार्थ,
एक साथ चल रहे थे,
अपने भीतर अनगिनत संभावनाओं को समेटे हुए था।
इस अनजान क्षितिज पर,
हर किसी को आशा और सहारा मिल रहा था।

–जयशंकर प्रसाद

(क) इस काव्यांश में किस प्रतीक का उपयोग किया गया है?
i. चंद्रमा
ii. रवि (सूर्य)
iii. ध्वनि
iv. जलती चिता

(ख) इस काव्यांश में देश को किस प्रकार प्रस्तुत किया गया है? उचित विकल्प का चयन कीजिए:
I. सपनों और संभावनाओं का देश।
II. जहाँ हर अनजान क्षितिज सहारा देता है।
III. जहाँ जीवन और यथार्थ साथ चलते हैं।
IV. जहाँ रवि की किरणें आशा और शक्ति देती हैं।
विकल्प:
i. कथन I और II सही हैं।
ii. कथन I, II और IV सही हैं।
iii. कथन II और IV सही हैं।
iv. कथन I, II, III और IV सही हैं।

(ग) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए:
कथन (A) : रवि की किरणों से पूरे देश में आशा का संचार हुआ।
कारण (R) : रवि की किरणें जीवन की कठिनाइयों को मिटाकर नई दिशा दे रही थीं।
i. कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है।
ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
iv. कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(घ) इस काव्यांश में "अरुण" और "क्षितिज" को किस प्रकार प्रतीक के रूप में प्रयोग किया गया है?

(ङ) इस काव्यांश का देश और उसकी संभावनाओं पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर :

(क) ii. रवि (सूर्य)

(ख) iv. कथन I, II, III और IV सही हैं।

(ग) iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

(घ) इस काव्यांश में 'अरुण' (सूर्य) को आशा और शक्ति का प्रतीक माना गया है। 'क्षितिज' को संभावनाओं और नए मार्ग का संकेतक माना गया है, जो हर दिशा में सहारा और आशा प्रदान करता है।

(ङ) इस काव्यांश में देश को मधुमय और संभावनाओं से भरा हुआ दिखाया गया है। रवि की किरणें हर दिशा में आशा और ऊर्जा का संचार करती हैं, जो देश के लोगों को नई दिशा और आत्मबल प्रदान करती हैं।

खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 4 × 1 = 4

(क) इन लोगों की छत्र-छाया हटी और मुझे अपने वजूद का एहसास हुआ। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) नवाब साहब कुछ देर गाड़ी की खिड़की के बाहर देखकर स्थिति पर गौर करते रहे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) जिसने नई तकनीक का आविष्कार किया, वह महान वैज्ञानिक था। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

(घ) मन्नूजी की साहित्यिक उपलब्धियों के लिए उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ङ) बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद लिखिए)

उत्तर :

(क) इन लोगों की छत्र-छाया हटते ही मुझे अपने वजूद का एहसास हुआ।

(ख) नवाब साहब ने कुछ देर गाडी की खिड़की के बाहर देखा और स्थिति पर गौर करते रहे।

(ग) आश्रित उपवाक्य : जिसने नई तकनीक का आविष्कार किया
भेद : विशेषण आश्रित उपवाक्य

(घ) मन्नूजी की जो साहित्यिक उपलब्धियाँ है, उनके लिए उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।

(ङ) सरल वाक्य

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 4 × 1 = 4

(क) नगरपालिका ने नेताजी की मूर्ति का उद्घाटन किया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) नवाब साहब द्वारा जेब से चाकू निकाला गया और खीरे छीलने शुरू कर दिए गए। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ग) उसने खुले आकाश के तारों को देखा। (भाववाच्य में बदलिए)

(घ) एक बहुत बडे आर्थिक झटके के कारण वे इंदौर से अजमेर आ गए थे। (वाच्य पहचानकर भेद बताइए)

(ङ) भाव की प्रधानता वाले वाक्य में कौन-सा वाच्य होता है?

उत्तर :

(क) नेताजी की मूर्ति का उद्घाटन नगरपालिका द्वारा किया गया।

(ख) नवाब साहब ने जेब से चाकू निकाला और खीरे छीलने शुरू कर दिए।

(ग) उससे खुले आकाश के तारों को देखा गया।

(घ) कर्तृवाच्य

(ङ) भाव की प्रधानता वाले वाक्य में भाववाच्य होता है।

5. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए- 4 × 1 = 4

(क) एक पद भगत गाते और सब सुनते।

(ख) अच्छे-अच्छों ने इस सवाल का हल ढूढ़ने का प्रयास किया, किंतु सबको असफलता ही हाथ लगी।

(ग) खाँ साहब अक्सर कहते हैं कि शहनाई छोड़कर कहाँ जाएँ?

(घ) जन्मी तो मध्य प्रदेश के भानपुरा गाँव में थी।

(ङ) गाड़ी की खिड़की से बाहर देखकर स्थिति पर गौर करते रहे।

उत्तर :

(क) और – समानाधिकरण समुच्चयबोधक, दो उपवाक्यों को जोड़ने वाला

(ख) इस – सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, विशेष्य–'सवाल'।

(ग) कहते – क्रिया, सकर्मक, पुल्लिग, बहुवचन, वर्तमान काल, कर्तृवाच्य, 'उन्होंने' सर्वनाम का संबंध बताने वाली क्रिया।

(घ) जन्मी – अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल।

(ङ) देखकर – रीतिवाचक क्रियाविशेषण, क्रिया का तरीका बताता है।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित काव्य पंक्तियों में अलंकार पहचान कर लिखिए- 4 × 1 = 4

(क) देखा राम नयन भरे भोरें।

(ख) हज़ार-हज़ार खेतों की मिट्टी का गुण धर्म।

(ग) बीती विभावरी जागरी , अम्बर पनघट में डुबो रही तास घट उषा नगरी।

(घ) संगतकार ही स्थायी को सँभाले रखता है।

(ङ) जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।

उत्तर :

(क) रूपक

(ख) अतिशयोक्ति

(ग) मानवीकरण

(घ) रूपक

(ङ) उपमा

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– $5 \times 1 = 5$

शहनाई और डुमराँव एक–दूसरे के लिए उपयोगी हैं। शहनाई बजाने के लिए रीड का प्रयोग होता है। रीड अंदर से पोली होती है जिसके सहारे शहनाई को फूँका जाता है। रीड, नरकट (एक प्रकार की घास) से बनाई जाती है जो डुमराँव में मुख्यतः सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है। इतनी ही महत्ता है इस समय डुमराँव की जिसके कारण शहनाई जैसा वाद्य बजता है। फिर अमीरुद्दीन जो हम सबके प्रिय हैं, अपने उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब हैं। उनका जन्म–स्थान भी डुमराँव ही है। इनके परदादा उस्ताद सलार हुसैन खाँ डुमराँव निवासी थे। बिस्मिल्ला खाँ उस्ताद पैगंबरबख्श खाँ और मिट्ठन के छोटे साहबजादे हैं।

(क) शहनाई बजाने के लिए किस वस्तु का प्रयोग किया जाता है?

कथन के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए–

I. शहनाई
II. नरकट
III. रीड
IV. सोन नदी

विकल्पः

i. कथन I और II सही हैं।
ii. कथन II और III सही हैं।
iii. कथन III सही है।
iv. कथन I, II और IV सही हैं।

(ख) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिएः

कथन (A) : शहनाई बजाने के लिए नरकट का उपयोग किया जाता है।

कारण (R) : नरकट से बनी रीड को शहनाई में फिट करने के लिए विशेष कौशल की आवश्यकता होती है।

विकल्पः

i. कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है।
ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
iv. कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(ग) शहनाई के लिए किस प्रकार की घास का प्रयोग किया जाता है?

i. नरकट
ii. घास
iii. बांस
iv. गन्ना

(घ) बिस्मिल्ला खाँ के परदादा का नाम क्या था?

i. अमीरुद्दीन
ii. सलार हुसैन खाँ
iii. पैगंबरबख्श खाँ
iv. मिट्ठन

(ङ) इस गद्यांश का मूल भाव क्या है? उचित विकल्प का चयन कीजिए–

I. शहनाई और डुमराँव का आपसी संबंध।
II. बिस्मिल्ला खाँ का योगदान।
III. नरकट का महत्व।
IV. सलार हुसैन खाँ का जीवन।

विकल्पः

i. कथन I और II सही हैं।
ii. कथन I और III सही हैं।
iii. कथन II और IV सही हैं।
iv. कथन I और IV सही हैं।

उत्तर :

(क) कथन II और III सही हैं।
(ख) कथन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है।
(ग) नरकट।
(घ) सलार हुसैन खाँ।
(ङ) कथन I और II सही हैं।

8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25–30 शब्दों में लिखिए– $3 \times 2 = 6$

(क) बालगोबिन भगत की कबीर पर श्रद्धा के क्या कारण रहें होंगे? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

भगत कबीर के आदेशों पर, उपदेशों पर असीम श्रद्धा रखते हैं। भगत सीधे–सच्चे और सरल–हृदय किसान थे। उन्हें कबीर के उपदेशों की सच्चाई भा गई होगी। वे इतने प्रभावित हुए होंगे कि अपनी आत्मा को कबीर के चरणों में चढ़ा कर उन्हें अपना गुरू बना लिया होगा। वे कबीर के भक्ति मार्ग पर चलकर अपना जीवन उन्हीं के अनुरूप ढालने में लग गए होंगे।

(ख) नवाब साहब के द्वारा खीरे के रसास्वादन की विधि को अपने शब्दों में लिखिए और स्पष्ट कीजिए कि खीरे की विधिवत तैयार की गई फाँकों को सूँघकर बाहर फेंक देना कहाँ तक उचित था?

उत्तर :

नवाब साहब ने खीरे की फाँकों पर नमक, मिर्च, जीरा मिला पाउडर बुरका और उसे खाने के बजाय सूँघकर उसका

रसास्वादन किया और उन फाँकों को एक–एक कर खिड़की से बाहर फेंकते गए। खीरे की फाँकों को इस तरह बाहर फेंकना नितांत अनुचित था।

(ग) एक कहानी यह भी की लेखिका मन्नू भंडारी को नए सिरे से अपने वजूद का अहसास कब व कैसे हुआ?

उत्तर :

लेखिका मन्नू भंडारी को नए सिरे से अपने वजूद का अहसास तब हुआ जब उसकी बड़ी बहन का विवाह हो गया। दोनों बड़े भाई भी आगे पढ़ाई के लिए बाहर चले गए। वहीं पिताजी का ध्यान उस पर केंद्रित हो गया। पिताजी उसे रसोई से दूर रहने को कहते थे और उनके अनुसार रसोई में क्षमता और प्रतिभा नष्ट हो जाती है।

(घ) लेखक भदंत आनंद कौसल्यायन के अनुसार सभ्यता और संस्कृति में क्या अंतर है?

उत्तर :

किसी नए तथ्य की खोज में लगने वाली प्रेरणा, प्रवृत्ति और योग्यता संस्कृति है तथा उस खोज से प्राप्त आविष्कार जो मानव–कल्याण के लिए होता है–सभ्यता है। सुई–धागे को खोजने की प्रेरणा (कपड़ों को सिलकर पहनने की इच्छा) संस्कृति है तथा सुई धागा का आविष्कार सभ्यता है।

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– $5 \times 1 = 5$

तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि–धूसर तुम्हारे ये गात.....
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शैफालिक के फूल
बाँस था कि बबूल?
तुम–मुझे पाए नहीं पहचान?
देखते ही रहोगे अनिमेष।

(क) 'तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान' से कवि किसकी ओर संकेत कर रहा है?

i. जीवन की नयी ऊर्जा की ओर
ii. किसी प्रिय व्यक्ति के सौंदर्य की ओर
iii. प्रकृति की सौम्यता की ओर
iv. मानवीय संघर्ष की ओर

(ख) 'परस पाकर तुम्हारा ही प्राण' पंक्ति में किस स्थिति की ओर संकेत है?

I. जीवन के पुनर्जन्म की ओर
II. प्रेम की शक्ति की ओर
III. कठोरता के समाप्त होने की ओर
IV. जीवन के अंत की ओर

विकल्प:

i. कथन I सही है।
ii. कथन I और II सही हैं।
iii. कथन II और III सही हैं।
iv. कथन I और III सही हैं।

(ग) कथन (A) और कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़कर सही विकल्प चुनिए:

कथन (A) : कवि की झोंपड़ी में जलजात खिले हैं।
कारण (R) : कवि के पास तालाब का शीतल जल है, जिससे जलजात खिले हैं।

i. कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
iii. कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
iv. कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(घ) 'पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण' पंक्ति में किस परिवर्तन की ओर संकेत है?

i. पत्थर के पानी में बदलने की ओर
ii. कठोरता के कोमलता में बदलने की ओर
iii. प्रेम के भाव के जन्म की ओर
iv. जीवन के अंत की ओर

(ङ) 'देखते ही रहोगे अनिमेष' पंक्ति में कवि किस स्थिति की ओर संकेत कर रहा है?

I. असमंजस और आश्चर्य
II. प्रेम और उत्सुकता
III. भय और चिंतन
IV. आश्चर्य और ध्यान

विकल्प:

i. कथन I सही है।
ii. कथन I और II सही हैं।
iii. कथन II और III सही हैं।
iv. कथन I और IV सही हैं।

उत्तर :

(क) ii किसी प्रिय व्यक्ति के सौंदर्य की ओर
(ख) iii कथन II और III सही हैं।
(ग) ii कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(घ) ii कठोरता के कोमलता में बदलने की ओर
(ङ) iv कथन I और IV सही हैं।

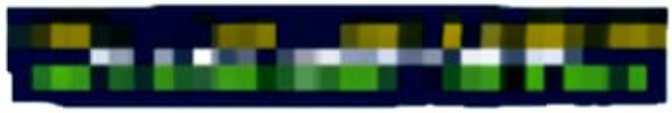

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- $3 \times 2 = 6$

(क) संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा और किन-किन क्षेत्रों में किस-किस रूप में दिखाई देते हैं?

उत्तर :

संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा फिल्म, टी.वी., खेल, मीडिया, राजनीति, कला, नृत्य आदि अनेक क्षेत्रों में दिखाई देते हैं। ये इन सभी क्षेत्रों में मुख्य रूप से कार्य करने वाले लोगों के सहायक के रूप में दिखते हैं। लेकिन इनका कार्य काफी महत्त्वपूर्ण होता है। इनके बिना मुख्य व्यक्ति प्रसिद्धि के शिखर पर नहीं पहुँच पाता है।

(ख) 'अट नहीं रही है' कविता में किस ऋतु का वर्णन है और ऐसी कौन-सी चीज है, जो नहीं अट रही है?

उत्तर :

'अट नहीं रही है' कविता में फागुन मास अर्थात् वसंत ऋतु की शोभा एवं मस्ती का वर्णन है। फागुन की शोभा, उसकी आभा सर्वव्यापक है। वह इतनी अधिक है कि प्रकृति और तन-मन में वह समा नहीं पा रही है। फागुन की शोभा, उसकी आभा से सृष्टि का कण-कण शोभयमान है।

(ग) "अरे खिल-खिला कर हँसते होने वाली उन बातों की" पंक्ति का भाव स्पष्ट करके लिखिए कि इन शब्दों में कवि-मन के किन भावों की झलक मिलती है?

उत्तर :

खिल-खिला कर हँसते होने वाली बातों में कवि के जीवन के सुखमय और प्रेममय क्षणों का वर्णन है। इससे स्पष्ट है कि कभी कवि ने भी जीवन के चरम सुख भोगे थे, जब वह अपने प्रिय के साथ बहुत सुखी था।

(घ) 'मरजादा न लही' के माध्यम से कौन-सी मर्यादा न रहने की बात की जा रही हैं?

उत्तर :

कृष्ण ने गोपियों से प्रेम निभाने के बजाय उनके पास योग-संदेश भेज दिया, जो उन्हें नीरस लगा। यह सदेंश एक भ्रम और छलावा मात्र था। सूरदास जी कहते हैं कि कृष्ण ने यह करके प्रेम की मर्यादा को यानि मरजादा को भी नहीं रखा। उनका कर्त्तव्य यह था कि वे गोपियों के प्रेम की सच्ची भावना को समझते और प्रेम निभाते।

11. पूरक पाठ्य पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- $2 \times 4 = 8$

(क) सिक्किम यात्रा के दौरान युवतियों को देखकर लेखिका के मन में क्या विचार उत्पन्न हुए? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

सिक्किम यात्रा के दौरान लेखिका 'मधु कांकरिया' ने देखा कि कुछ पहाड़ी औरतें कुदाल और हथौड़ों से पत्थर तोड रही हैं। उनका यह काम अत्यंत खतरनाक व कठिन था। गाइड न बताया कि यह आम जनता है, जो इसी प्रकार का जोखिम-भरा जीवन जीती है। लेखिका को लगा कि ये औरतें बहुत कम लेकर समाज को बहुत अधिक लौटाती हैं। उसने यह भी देखा कि इनके बच्चे भी वहाँ पढ़ाई न करके मवेशी चराते हैं, पानी भरते हैं। वास्तव में, पहाड़ों पर रहने वालों का जीवन अत्यंत कठिनाइयों से भरा होता है। जो पहाड़ हमें घूमने जाने पर अति सुंदर दिखाई पड़ते हैं और हमारा मन मोह लेते हैं। वे यहाँ पर रहने वालों के लिए सहायक नहीं होते। रास्तों को चौड़ा बनाने, पहाड़ों को सुंदर बनाने और चाय के बागानों के सौंदर्य के लिए ये औरतें ही दिन-रात काम करती हैं।

(ख) लेखक के अनुसार अनुभूति से उत्पन्न भीतरी विवशता किस प्रकार लिखने के लिए बाध्य करती है? 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर :

लेखक ने हिरोशिमा नामक कविता का उदाहरण देते हुए इस तथ्य को स्पष्ट किया है कि अनुभूति अनुभव से गहरी चीज है। वास्तव में लेखक भीतरी विवशता से प्रेरित होकर ही लिखता है। यदि बाहरी दबाव को देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि वह भी दबाव नहीं रह जाता, बल्कि आंतरिक प्रकाश का कारण बन जाता है। अनुभूति कल्पना और संवेदना के सहारे उस सत्य को अंतरात्मा में ग्रहण कर लेने का नाम है जो लेखक के साथ घटित नहीं हुआ है, परंतु वह आत्मा में उतर कर अनुभूति रूप से प्रत्यक्ष हो जाता है और भीतरी विवशता को जन्म देता है। यही भीतरी विवशता उसे लेखन की प्रेरणा देती है।

(ग) बैजू जैसे शरारती बालकों के साथ रहने से किस तरह की स्थिति की संभावना बनी रहती है? इससे संबंधित घटना का उल्लेख 'माता का आँचल' पाठ के आधार पर कीजिए तथा बताइए कि आपने इस घटना से क्या प्रेरणा ग्रहण की है?

उत्तर :

बैजू जैसे शरारती बालकों के साथ रहने से बाकी बालक भी अपराध की प्रवृत्ति की ओर अग्रसर हो जाते हैं जिनके पीछे पुलिस घूमती है और उनके परिवार के लोग उन्हें जमानत पर छुड़ाते हैं। 'माता का आँचल' पाठ में भोलानाथ और उसका मित्र बैजू एक वृद्ध व्यक्ति का मजाक उड़ाते हैं। वह वृद्ध उनके पीछे दौड़ता है और पाठशाला चला जाता है। वहाँ से उसकी शिकायत पर गुरु जी द्वारा चार लड़कों को बैजू और उसके साथियों को पकड़ने के लिए भेजा गया। बैजू बच निकला पर भोलानाथ पकड़ा गया और गुरु जी के हाथों खूब पिटा। हमें इस घटना से प्रेरणा मिलती है कि हमें किसी का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए और न ही किसी के साथ दुर्व्यवहार करना चाहिए। बैजू जैसे दुट बच्चों की संगति को छोड़ देना चाहिए।

खंड–घ (रचनात्मक लेखन) 20

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– 1 × 6 = 6

(क) **आज का युवा वर्ग**

संकेत बिन्दु :

- भौतिकता की ओर आकर्षण
- भारतीय संस्कृति के प्रति घटती आस्था
- कुछ कर गुजरने की हिम्मत।

(ख) **लोकतंत्र और चुनाव**

संकेत बिन्दु :

- लोकतंत्र में लोक का महत्त्व
- जनता की आवाज : चुने हुए प्रतिनिधि
- प्रतिनिध चुनने से लोकतंत्र की रक्षा
- सही प्रतिनिधि कैसे चुनें।

(ग) **करत करत अभ्यास के जइमति होत सुजान**

संकेत बिन्दु :

- अभ्यास का अर्थ
- अभ्यास के आवश्यक तत्व
- सफल व्यक्ति
- सच्चे कर्मवीर के लक्षण

उत्तर :

(क) आज का युवा वर्ग

आज की युवा पीढ़ी अपने भविष्य के सुनहरे सपने देखती है। और उसे पूरा करने का अथक प्रयास भी करती है। वह भौतिकता की दौड़ में दौड़ रही है, उसे आगे बढ़ने का उत्साह है और इस क्रम में भारतीय संस्कृति के मूल से होती चली जा रही है। उसके कार्य महत्त्वाकांक्षाओं पर लदे हुए हैं, इसलिए वह तेज गति से उन्नति की ओर बढ़ रही है। यह गति अंधाधुंध और असंतुलित न हो, इसलिए उसे दिशा और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। उसका मन भी नए–नए विषयों को सीखने की उत्कंठा से भरा हुआ है। युवाओं के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान के कारण ही नए–नए आविष्कार हुए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं: अंतरिक्ष विज्ञान, औषध निर्माण, चिकित्सीय विज्ञान, शल्यकर्म, विपणन और सूक्ष्म जीवविज्ञान। जीवन शैली में उसका सकारात्मक दृष्टिकोण भी झलकता है। आयात से स्वदेशी वस्तुओं की ओर रुझान बढ रहा है। इसलिए वह समाज के सभी वर्गों में लोकप्रिय हो रहा है।

(ख) लोकतंत्र और चुनाव

लोकतंत्र से तात्पर्य 'लोक' यानी जनता और 'तंत्र' यानी शासन से है, जिसमें जनता का शासन। लोकतंत्र में लोक का बहुत महत्त्व है क्योंकि लोकतांत्रिक सरकार का मूल प्रेरणा स्रोत है जिसमें जनता शासन करती है या तो सीधे प्रतिनिधियों के माध्यम से अथवा प्रत्यक्ष रूप में। प्रतिनिधि प्रतिनिधित्व के माध्यम से चुने जाते हैं। एक अच्छे लोकतंत्र में चुनाव के द्वारा जनता अपने नेताओं को कार्यभार हेतु प्रतिनिधि चुनती है, जिसे वह अपने हक के लिए सत्ता में स्थापित करती है। जनता की आवाज चुनाव के माध्यम से सामने आती है और यही चुनाव का उद्देश्य होता है। चुनाव द्वारा जनता को यह अधिकार प्राप्त होता है कि वह अपनी सरकार बना सके। चुनाव द्वारा जनता को यह अधिकार मिलता है कि वह अपने प्रतिनिधि चुन सके, जो उनकी इच्छाओं और आवश्यकताओं का ध्यान रखें। चुनाव एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया है जो जनता को सरकार बनाने और उसे हटाने का अधिकार देती है। यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि शासन जनता के लिए और जनता के द्वारा हो। इस प्रकार, चुनाव लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह जनता को अपनी इच्छानुसार प्रतिनिधि चुनने का अवसर प्रदान करता है और सरकार को जिम्मेदार बनाता है। लोकतंत्र की कसौटी पर चुनाव चाहिए।

(ग) करत करत अभ्यास के जइमति होत सुजान

अभ्यास अर्थात सफलता के लिए प्रयास करना। ऐसी उत्तम प्रक्रिया है जिससे व्यक्ति की प्रतिभा में निखार आता है। अभ्यास करने से कोई भी कार्य कुशलता से संपन्न होता है और सफलता की प्राप्ति होती है। मूढ व्यक्ति भी निरंतर अभ्यास से ज्ञानवान हो जाता है। अभ्यास प्रक्रिया में मनुष्य को इच्छाशक्ति से आत्मबल को बढ़ाने की आवश्यकता होती है। अभ्यास मनुष्य को अनेक कठिनाइयों का सामना करने की क्षमता प्रदान करता है। कहावत है कि "करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।" अर्थात निरंतर अभ्यास से मूढ़ व्यक्ति भी समझदार हो जाता है। अभ्यास का महत्व इस बात से भी प्रमाणित होता है कि जो व्यक्ति नियमित रूप से परिश्रम करता है, वह प्रत्येक कार्य में सफल होता है। केवल एक बार प्रयास करने से सफलता नहीं मिलती। वे लोग राह स्वयं बना लेते हैं जो निरंतर अभ्यास में लगे रहते हैं। इस प्रकार से अभ्यास को संपन्न करके जीवन में श्रेष्ठता हासिल करते हैं।

13. (क) शारीरिक व्यायाम स्वास्थ्य की दृष्टि से अति आवश्यक है। अपने विद्यालय में एक कुशल योग प्रशिक्षक को रखने का अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्य को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। $1 \times 5 = 5$

उत्तर :

सेवा में
श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय,
के.के.एम. हायर सेकेंडरी स्कूल,
ग्वालियर, मध्यप्रदेश
दिनांक: 7 सितंबर, 20xx
विषय: स्वास्थ्य शिक्षा के लिए योग की कक्षाओं के आयोजन हेतु अनुरोध
महोदय,
निवेदन यह है कि प्रार्थी कक्षा दसवीं 'ब' का छात्र है। पिछले सप्ताह मुझे तथा मेरे सहपाठियों को योगाभ्यास करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस पूरे अनुभव ने हम पर गहरा प्रभाव डाला है और शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने में योगाभ्यास की बड़ी महत्ता सिद्ध हुई है। आधुनिक जीवनशैली ने हमारे जीवन में तनाव, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का जन्म दिया है। योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम आदि में तनाव को दूर करने और मन को शांत रखने की शक्ति है।
अतः आपसे अनुरोध है कि विद्यालय में नियमित रूप से शिक्षकों की नियुक्ति कर हमें योग का लाभ प्रदान कराएं।
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
अखिलेश पाण्डे
कक्षा – दसवीं 'ब'

अथवा

(ख) अनुराधा के मामाजी ने उसे जन्मदिन पर एक पुस्तक उपहार में भेजी है। धन्यवाद व्यक्त करते हुए उन्हें एक पत्र लिखिए।

उत्तर :

अनुराधा
75, लाजपत नगर,
दिल्ली।
दिनांक : 23 नवंबर, 20xx
आदरणीय मामाजी,
सादर नमस्कार!

आशा है, आप सकुशल होंगे। मामीजी तथा सुरम्या भी प्रसन्न होंगी।

आपने मेरे जन्मदिन पर मुंशी प्रेमचन्द द्वारा रचित उपन्यास 'निर्मला' भेजा है। यह उपन्यास मैंने पढ़ा है। यह मुझे बहुत पसंद आया है। इससे पहले मैंने कभी कहानियों की किताबें नहीं पढी थीं। या तो कोर्स में लगी कहानियाँ पढ़ी थीं या अखबारों में छपी कहानियाँ। इन्हें पढ़कर मेरे मन में विशेष रुचि नहीं जागी थी। परंतु निर्मला ने तो मेरे मन को झकझोर कर रख दिया। उसे पढ़कर लगा कि मैं निर्मला की बहुत ही गहरी सहेली और प्रशंसक हो गई हूँ। मुझे उसकी मृत्यु पर गहरा दुख है। यह उपन्यास जीती–जागती दुनिया से भी अधिक प्रभावशाली और मार्मिक है।

आपके प्रति बहुत–बहुत धन्यवाद! आपने मुझे अच्छा साहित्य पढ़ने का अवसर दिया। मेरा मन कर रहा है कि ऐसे अन्य उपन्यास भी पढ़ूँ। आपने मेरे जन्मदिन पर मुझे याद रखा। इसके लिए धन्यवाद!
आपकी प्रिय भानजी
अनुराधा

14. (क) आपका नाम प्रदीप आसवानी है। भारतीय स्टेट बैंक में (स्केल–4 के लिए) प्रबंधक के पद हेतु नवभारत टाइम्स में विज्ञापन प्रकाशित हुआ है। आप वर्तमान में आई.सी.आई. बैंक में (स्केल–3) प्रबंधक हैं। आप इस पद पर नियुक्ति पाने हेतु लगभग 80 शब्दों में स्ववृत्त तैयार कीजिए। $1 \times 5 = 5$

उत्तर :

स्ववृत्त

नाम	:	प्रदीप आसवानी
पिता का नाम	:	कमल आसवानी
माता का नाम	:	श्रीमती विमला आसवानी
जन्म तिथि	:	25 मार्च, 1982
वर्तमान पता	:	डी–28, सेक्टर–5 हाउसिंह बोर्ड, वैशाली नगर, जयपुर
स्थायी पता	:	डी–28, सेक्टर–5 हाउसिंह बोर्ड, वैशाली नगर, जयपुर
मोबाइल नंबर	:	8564XXXXXX
ई–मेल	:	pradeep_1980@gmail.com

अनुभव

- आई.सी.आई. बैंक में दो वर्ष तक प्रोबेशनरी अधिकारी के पद पर कार्यरत् (2010–2012)
- आई.सी.आई. बैंक में तीन वर्ष (2012–2015) तक प्रबंधक (स्केल–1) के पद पर कार्यरत्।
- आई.सी.आई. बैंक में तीन वर्ष (2015–2018) तक प्रबंधक (स्केल–2) के पद पर कार्यरत्।
- आई.सी.आई. बैंक में तीन वर्ष (2018–2021) तक प्रबंधक (स्केल–3) के पद पर कार्यरत् तथा वर्तमान में भी इसी पद पर कार्यरत्।

शैक्षणिक योग्यताएँ

क्र स	परीक्षा / डिग्री / डिप्लोमा	वर्ष	विद्यालय / बोर्ड / महाविद्यालय / विश्वविद्यालय	विषय	श्रेणी	प्रतिशत
1.	दसवीं	1998	सी.बी.एस.ई.	हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान	प्रथम	87%
2.	बारहवीं	2000	सी.बी.एस.ई.	अंग्रेजी, हिंदी, अर्थशास्त्र, एकाउंटेसी बिजनस–एडमिनिस्ट्रेशन	प्रथम	89%
3.	बी.कॉम (ऑनर्स)	2003	कॉमर्स कॉलेज, जयपुर	एकाउंटेसी	प्रथम	84%
4.	एम.कॉम.	2005	राजस्थान विश्वविद्यालय	एकाउंटेसी	प्रथम	86%
5.	एम.बी.ए.	2008	आई.आई.आर.एम. जयपुर	फाइनेंस	प्रथम	92%

अन्य संबंधित योग्यताएँ

- कंप्यूटर का ज्ञान
- अंग्रेजी भाषा का ज्ञान

उपलब्धियाँ

- सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार (1999, 2002)
- कॉमर्स क्विज (विश्व विद्यालय स्तर) में प्रथम पुरस्कार (2004)

कार्येत्तर गतिविधियाँ तथा अभिरुचियाँ

- पी.एन.बी. बैंक में छः माह की इंटर्नशिप
- इकोनॉमिक टाइम्स का नियमित पठन
- विदेशी विनिमय (फॉरेन एकसचेंज) का ज्ञान
- विद्यालय में वार्षिक प्रदर्शनी का आयोजन

संदर्भित व्यक्तियों का विवरण

- श्री मोहित खण्डेलवाल, रीजनल मैनेजर, आई.सी.आई.बैंक (एन.सी.आर.)
- श्रीमती नेहा गौतम, चीफ मैनेजर, पी.एन.बी. बैंक, जयपुर शाखा।

उद्घोषणा

मैं प्रमाणित करता हूँ कि उपर्युक्त सभी सूचनाएँ सत्य हैं।

तिथि : 17 अगस्त, 2022 प्रदीप आसवानी

स्थान : जयपुर। हस्ताक्षर

अथवा

(ख) आपके विद्यालय का नया सत्र आरंभ हो गया है लेकिन बाजार में अभी तक आपकी हिंदी की पाठ्यपुस्तक उपलब्ध नहीं है। इस संदर्भ में एनसीईआरटी के व्यापार प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में एक ई–मेल लिखिए।

उत्तर :

To	ncert.xyz@gmail.com Cc Bcc
Subject	पाठ्यपुस्तक 'स्पर्श–भाग 2' उपलब्ध करवाने हेतु।

सेवा में
व्यापार प्रबंधक
एनसीईआरटी
नई दिल्ली

महोदय,

जैसा कि आप जानते ही हैं हमारा नया शिक्षा सत्र पहली अप्रैल से आरंभ हो गया है। आज 15 अप्रैल है और अभी तक हमारे स्थानीय पुस्तक विक्रेता के पास हमारी हिंदी की पाठ्यपुस्तक स्पर्श–भाग 2 की एक भी प्रति उपलब्ध नहीं है। उनका कहना है कि एनसीईआरटी को आदेश प्रसारित किए महीनाभर हो चुका है, लेकिन वहाँ से अभी तक पुस्तक की सप्लाई नहीं पहुँची है। हमारा आपसे अनुरोध है कि आप हमारे शहर को पुस्तक विक्रेता के आदेश की पूर्ति यथाशीघ्र करवाने की व्यवस्था करें, ताकि हमारे पढ़ाई के दिन और बरबाद न हो। मैंने इंटरनेट के माध्यम से आपकी साइट ncert.nic.in पर जाकर यह जानने का प्रयास किया कि परिषद की ओर से किस–किस शहर को कौन–कौन सी पाठ्यपुस्तकें भेज दी गई हैं, मगर खेद है कि वहाँ कोई सूचना उपलब्ध नहीं हुई। मेरा अनुरोध है कि यह सूचना अपनी साइट पर अवश्य दें ताकि हमें पता चल सके कि परिषद ने पुस्तकें नहीं भेजी या हमारे शहर के दुकानदार कालाबाजारी करना चाहते हैं।

धन्यवाद,

कक्षा दस 'ब' के सभी छात्र
मानव रचना विद्या निकेतन,
फरीदाबाद–एनसीआर–हरियाणा

15. (क) बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खिलौने बनाने वाली एक कम्पनी खिलता बचपन के लिए एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए। $1 \times 4 = 4$

उत्तर :

खिलता बचपन

नाजुक बच्चों को भूल से भी लगे न चोट
इन खिलौनों को बनाने में लगी है ऐसी सोच।
रंग-बिरंगे प्यारे-प्यारे खिलौनों की भरमार

₹1000 ज्यादा की खरीदारी पर **30%** की आकर्षक छूट

बच्चों को मनोरंजन के साथ रंगों व आकार की कराएं पहचान

आपकी नजदीकी दुकान पर एवं ऑनलाइन उपलब्ध
हमारी वेबसाइट– www.toystore.com

अथवा

(ख) अपने मित्र को गुरु गोविंद सिंह जी के जन्मोत्सव पर लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना-संदेश लिखिए।

उत्तर :

संदेश

10 अगस्त, 20xx प्रातः 7:00 बजे

प्रिय बलजीत!

खुशियाँ और आपका जनम–जनम का साथ हो,
हर किसी की जुबां पर आपकी हंसी की बात हो,
जीवन में कभी कोई मुसीबत आए भी,
तो आपके सर पर गुरु गोविन्द सिंह जी का हाथ हो।

गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के जन्मदिवस की ढेरों शुभकामनाएँ! गुरू जी का त्याग, बलिदान, संघर्ष और समर्पण हमें भी अँधेरे से लड़ने की ताकत और शत्रु पर विजय पाने की शक्ति दे।

शुभम